हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-15 हरिद्वार, रविवार,15 जून, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

राज्य कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

देहरादून,संवाददाता । राज्य कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में छह प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में कृषि, खनन, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास शामिल हैं। बैठक में जैव प्रौद्योगिकी परिषद से जुड़े मामले में कैबिनेट ने स्वीकृति दी है। परिषद के दो केंद्रों में पहले से सृजित 46 पदों के संचालन के लिए नियमावली को मंजूरी दे दी गई। वहीं, हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत खनन विभाग में 18 नए पदों को सृजित करने को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगोली ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अन्तर्गत स्वायत्तशासी राज्य अनुदानित संस्था उत्तराखण्ड जैव प्रौद्योगिकी परिषद के संशोधित विभागीय संरचना/ढांचे के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया। उत्तराखण्ड जैव प्रौद्योगिकी परिषद् के गठन के पश्चात् न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर पूर्व में परिषद् के हल्दी, पंतनगर स्थित मुख्यालय हेतु 34 पद एवं एडवांस सेन्टर फॉर कम्प्यूटेशनल एण्ड एप्लाईड बॉयोटेक्नोलॉजी, देहरादून हेतु 12 पद सहित कुल 46 पद सृजित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी थी। परिषद् के स्वीकृत विभागीय संरचना/ढांचे में पदों की संख्या में परिवर्तन किए बिना विभागीय संरचना/ढांचे में मुख्यालय एवं देहरादून सेन्टर/अन्य सेन्टर हेतु समस्त पदों को एकीकृत (एकल संवर्ग) रूप में रखे जाने एवं भर्ती के स्रोत में परिवर्तन किये जाने का कैबिनेट द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के संरचनात्मक ढांचे में अतिरिक्त पद सृजित किये जाने के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया। सुनवाई के दौरान दिये गये निर्देशों के समादर में भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के ढांचे में विभागीय आवश्यकतानुसार पर्याप्त कार्मिकों की उपलब्धता कराये जाने हेतु अतिरिक्त पदों के सृजन को कैबिनेट ने मंजूरी दी त्र। इस प्रकार से कुल 18 पदों को बढ़ाया गया है। उत्तराखण्ड बाढ़ मैदान परिक्षेत्रण अधिनियम, 2012 के प्राविधानानुसार जनपद देहरादून के तहसील सदर एवं विकासनगर के अंतर्गत

आसन नदी के प्रारम्भिक बिन्दु भट्टा फॉल से आसन बैराज (कुल लगभग 53.00 किमी0 लम्बाई) तक आसन नदी के दोनों तटों पर बाढ़ मैदान परिक्षेत्रण की अधिसूचना के सम्बन्ध में लिया गया निर्णय। राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित मूल आवेदन संख्या: 477/2022 राजेन्द्र गंगसारी बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य में अधिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांक: 19.03.2024 के अनुपालन में उत्तराखण्ड राज्य में नदियों के बाढ़ मैदान परिक्षेत्रण की व्यवस्था हेतु अधिनियमित उत्तराखण्ड बाढ़ मैदान परिक्षेत्रण अधिनियम, 2012 के अन्तर्गत जनपद देहरादून के तहसील सदर एवं विकासनगर के अंतर्गत आसन नदी के प्रारम्भिक बिन्दु भट्टा फॉल से आसन बैराज (कुल लगभग 53.00 किमी0 लम्बाई) तक आसन नदी के दोनों तटों पर चिन्हित भूमि को प्रतिषिद्ध तथा निर्बन्धित क्षेत्रों के सम्बन्ध में जारी अनन्तिम अधिसूचना संख्या-1141, दिनांक: 19.11.2024 के क्रम में अन्तिम अधिसूचना निर्गत किये जाने एवं राज्य की विभिन्न नदियों के बाढ मैदान परिक्षेत्रण हेतु पूर्व में निर्गत विभिन्न अधिसूचनाओं में उल्लिखित प्रतिषिद्ध तथा निर्बन्धित क्षेत्रों में अंकित अनुमन्य कार्यों में एस0टी0पी0 का निर्माण, रोपवे टावरों का निर्माण, मोबाइल टावर का निर्माण, हाई टेंशन विद्युत ट्रॉन्समिशन हेतु टावर का निर्माण कार्य तथा ऐलिवेटेड रोड कॉरिडोर के लिए नींव एवं उपसंरचना आदि से सम्बन्धित निर्माण कार्यों को कैबिनेट द्वारा अनुमोदन दिया गया।

व्यर्थ नहीं जायेगा स्वामी निगमानंद का बलिदान, जारी रहेगा गंगा रक्षा के लिए मातृ सदन का आंदोलन : स्वामी शिवानंद सरस्वती

स्वामी निगमानंद की 15 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हरिद्वार, संवाददाता । मातृ सदन के परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती

महाराज ने कहा कि स्वामी निगमानंद सरस्वती का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। गंगा रक्षा के लिए मातृ सदन का आंदोलन जारी रहेगा।

गौरतलब है कि गंगा की खातिर अपने प्राणों का बलिदान करने वाले गंगा पुत्र स्वामी निगमानंद की 15 वीं पुण्यतिथि पर मातृ सदन आश्रम, जगजीतपुर कनखल , हरिद्वार में स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजित की गई। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वामी निगमानंद की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज ने कहा स्वामी निगमानंद की हत्या हुई। खनन माफियाओं के इशारे पर उन्हें जहर देकर मारा गया है। स्वामी निगमानंद ने गंगा की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान किया है। मातृ सदन उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देगा सत्य की खातिर मातृ सदन का आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। स्वामी शिवानंद ने कहा कि उत्तराखंड में देवत्व का हास हो रहा है। खनन माफियाओं के इशारे पर सरकार देवभूमि के तीर्थत्व के साथ गंगा को नष्ट करने पर तुली है। धामी सरकार खनन माफियाओं के सबसे बड़े पैरोकार बन कर सामने आये है। हरिद्वार में गंगा के साथ किसानों की उपजाऊ भूमि को नष्ट किया जा रहा है। हाई कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है। सीपीसीबी, एनएमसीजी एवं पर्यावरण मानकों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। इसके बावजूद मातृ सदन एकमात्र संस्था है जो असत्य के खिलाफ सत्य की लौ जलाएं हुए हैं इस मौके पर साध्वी पद्मावती, डॉ विजय वर्मा, भोपाल सिंह चौधरी, डॉ निरंजन मिश्रा, कोशलेन्द्र झा, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कांत मणि त्रिपाठी, बसंत कुमार, दिनेश वालिया प्रधान ने सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी सुधानंद ने किया। कार्यक्रम में शिव डेल स्कूल के संस्थापक स्वामी शरद पुरी महाराज, व्यापारी नेता संजीव चौधरी, सुराज सेवा दल के अध्यक्ष रमेश जोशी , किसान मजदूर उत्थान संस्था के विनोद कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोगों स्वामी निगमानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

विमान हादसे के मृतकों को दी श्रद्धाजंलि

हरिद्वार , संवाददाता । अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को शुक्रवार को हरिद्वार के सर्वानंद घाट पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मां गंगा से प्रार्थना की गई और विनती की गई कि इस दुरूख की घड़ी में मां गंगा उनके परिजनों को शक्ति प्रदान करें। पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आज मां गंगा को पुष्प अर्पित कर अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मां गंगा सभी आत्माओं को मोक्ष प्रदान करें। इसके अलावा अधीर कौशिक का कहना कि सरकार को इस मामले की विस्तृत जांच करनी चाहिए, ताकि दोबारा इस तरह की कोई घटना न हो। मालूम हो कि गुरुवार को एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान ने गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी, लेकिन टेक ऑफ के एक मिनट के अंदर ही विमान क्रैश हो गया है। विमान में 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे, जिसमें से 241 लोगों की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति बच गया, जिसका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। एयर इंडिया का यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था।

विदेशी बिजनेस का सपना दिखाकर बीस लाख ठगे

हरिद्वार , संवाददाता । सिटी हैरिटेज होटल में कैन्टीन चलाने वाले कर्मचारी को दिल्ली निवासी एक कथित कारोबारी ने विदेशी बिजनेस में पार्टनर बनाने का झांसा देकर 20 लाख रुपये की ठगी कर डाली। आरोपी ने न केवल पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए पहचान पत्र, चेक और दस्तावेज सौंपे बल्कि खुद को होटल का नियमित ग्राहक बताकर लंबे समय तक परिचय भी बनाए रखा। पीड़ित की शिकायत पर स्थानीय पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। शहर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह के मुताबिक ई-5ए शिवलोक कॉलोनी, थाना रानीपुर निवासी गजेन्द्र सिंह नेगी ने कोर्ट में शिकायत कर बताया कि दिल्ली के महीपालपुर निवासी संजीत कुमार पिछले चार सालों से हरिद्वार के सिटी हैरिटेज होटल में आकर ठहरता था। इस दौरान उसने खुद को विदेशों में कारोबार करने वाला व्यापारी बताया और होटल स्टाफ से नजदीकी बढ़ा ली।

सम्पादकीय

वास्तव में सराहनीय फैसला

आईआईटी-दिल्ली ने छात्रों पर बोझ कम करने और उद्योग जगत की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बारह वर्षो के बाद अपने पाठयक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किया है। संस्थान के निदेशक रंगन बनर्जी ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा था, श्पाठयक्रम में पिछली बार संशोधन 2013 में किया गया था। इस बीच, उद्योग जगत की मांग तेजी से बदल रही है..एआई एक नया उभार है, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सुधार की कवायद 2022 में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षो में संस्थान ने हितधारकों से व्यापक प्रतिक्रिया ली है, और उनकी मांग और जरूरत के अनुसार जरूरी बन पड़े बदलाव पाठयक्रम में किए हैं। पाठयक्रम को ही कम नहीं किया गया है, बल्कि कक्षा का आकार कम करने का फैसला भी किया गया है। पहले दो सेमेस्टर के लिए कक्षा का आकार अब 200 की बजाय 150 होगा ताकि छात्र पर अधिक ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। कहा जा सकता है कि आईआईटी का पाठयक्रम संबंधी फैसला दूरगामी परिणाम हासिल करने की दृष्टि से किया गया है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इससे पूर्व नई शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है और अब देश के एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान का यह फैसला क्रांतिकारी पर्वितन की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया जा सकता है। वैसे भी एआई और प्रोग्रामिंग जैसे पाठयक्रमों का शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी बन गया है। जरूरी है कि जटिलताएं शिक्षण-प्रशिक्षण में खासी अवरोध खड़े करती हैं। उच्च शिक्षा और खास तौर पर प्रतियोगी शिक्षण-प्रशिक्षण में विद्यार्थियों पर अनावयक तनाव रहता है, और तनाव इस कदर हावी हो जाता है कि आये दिन छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें आती रहती हैं। यदि पाठयक्रम का बोझ बनिस्बत कम हो और कक्षा की छात्र स्ट्रेंथ ज्यादा न हो तो पढ़ाई-लिखाई के लिए परिणामोन्मुख माहौल तैयार हो सकता है। हालांकि आईआईटी-दिल्ली ने बारह साल बाद पाठयक्रम में बदलाव किया है, लेकिन बदलते समय के साथ ताल मिलाए रखने के लिए यह जरूरी कवायद है। तनावरहित शिक्षण-प्रशिक्षण हो तो न केवल उच्च शिक्षा का उद्देश्य पूरा होता है, बल्कि उच्च शिक्षा अपनी उपयोगिता भी साबित करती है। पाठयक्रम में कठिनता को कम करने का फैसला वास्तव में सराहनीय है।

रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी

हाल ही में 24 मई को नीति आयोग ने बताया कि जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आगामी 2.5 से 3 सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए भी दिखाई दे सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को दुनिया के ख्याति प्राप्त अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने कहा कि जापान को पछाड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की एक अविसनीय उपलब्धि है। वास्तव में भारत के विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में आगे बढ़ने के पीछे जो प्रमुख कारण हैं, उनमें 140 करोड़ की जनसंख्या, देश के मध्यम वर्ग, की बढ़ती क्रयशक्ति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत आर्थिक नीतियां शामिल हैं। साथ ही इस समय भारत जिस ऊंची विकास दर और आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर भारत को कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए आगे बढ़ना होगा। वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तथा बढ़ते हुए व्यापार घाटे जैसी चुनौतियों से भारत को निपटना होगा। खासतौर से भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी है। चीन से वष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करना होगा। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जहां एमएसएमई देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। निसंदेह देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति अहम होगी। भारत के द्वारा विगत 6 मई को ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है और 8 जुलाई से भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता लागू हो सकता है। हाल ही में अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है।

"रणनीतिक, तकनीकी, वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मिशन : एक्सियम-4 "

सुनील कुमार महला

यह हमारे देश के लिए बहुत ही गौरव की बात है कि हमारा देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में विश्व में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और अब भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यानी आईएसएस जा रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वे 14 दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में रहेंगे तथा अंतरिक्ष यान स्पेसएक्स रॉकेट के ज़रिए फ्लॉरिडा के नासा केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होगा। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी इस यात्रा की सफलता पर एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों की नजरें टिकी हुई हैं।पाठकों को बताता चलूं कि इस कमर्शियल मिशन में पहली बार कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट शामिल हो रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुभांशु शुक्ला के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट इस मिशन में भेजे जा रहे हैं और यह हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा। ऐतिहासिक इसलिए क्यों कि 41 साल बाद हमारा एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में जा रहा है। दरअसल, शुभांशु ऐसे दूसरे भारतीय हैं जो अंतरिक्ष यात्रा पर जा रहे हैं।बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि इससे पहले राकेश शर्मा पहले भारतीय थे, जो वर्ष 1984 में रूसी मिशन के तहत स्पेस में गए थे। पाठकों को बताता चलूं कि शुभांशु शुक्ला उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं तथा उनकी स्कूलिंग लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, अलीगंज से हुई है। मीडिया में आई रिपोर्ट्स के अनुसार 17 जून 2006 को उनको भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल किया गया था तथा वह एक शानदार फाइटर पायलट और टेस्ट पायलट हैं। उनके पास 2,000 घंटे से ज्यादा का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है।उन्होंने सुखोई-30 एमकेआइ, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे कई फाइटर जेट्स उड़ाए हैं।मार्च 2024 में उन्हें ग्रुप कैप्टन की पोस्ट पर प्रमोट किया गया।वह एक फाइटर कॉम्बैट लीडर भी हैं। वर्ष 2019 में इसरो ने शुभांशु को भारत के पहले ह्यूमन स्पेस मिशन गगनयान के लिए चुना गया था। दरअसल इस मिशन के लिए क्रमश: चार एस्ट्रोनॉट्स शुभांशु शुक्ला, ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप को चुना गया था। गगनयान की तैयारी के लिए शुभांशु ने वर्ष 2019-2021 तक रूस के यूरी गागरिन कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में सख्त ट्रेनिंग ली तथा इसके बाद 27 फरवरी 2024 को उनको एक्सिओम मिशन-4 के लिए ऑफिशियली चुना गया। बहरहाल, यहां यह उल्लेखनीय है कि यह अभियान पहले मई के आख़िर हफ़्ते में जाना था, फिर इसे आठ जून को अंतरिक्ष स्टेशन की ओर रवाना होना था, लेकिन ख़राब मौसम की वजह से ये अभियान 11 जून को लॉन्च होने की संभावना थी। लेकिन जानकारी के अनुसार अब तकनीकी कारणों से इसे आगे के लिए टाल दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला की आइएसएस यात्रा लिक्विड ऑक्सीजन लीक के कारण टल गई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि यह मिशन एक्सियम स्पेस नाम की अमेरिकी कंपनी, नासा और स्पेस एक्स के साथ मिलकर ऑपरेट किया जा रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि नासा के अलावा इस मिशन में भारत के इसरो, पौलेंड के ईएसए और हंगरी के हंगेरियन टू ऑरबिट सहयोग दे रहे हैं। इसमें चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। मिशन कमांडर हैं-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन जिन्हें पांच बार अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव प्राप्त है। वास्तव में, एक्सियम-4 मिशन एक कमर्शियल स्पेस फ़्लाइट है तथा ह्यूस्टन की कंपनी एक्सियम स्पेस इस अभियान को चला रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत ने इस मिशन के लिए 550 करोड़ रुपये की कीमत चुकाई है। पाठकों को बताता चलूं कि एक्सिमय-4 मिशन को भारत के गगनयान अभियान के लिहाज़ से अहम बताया जा रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस मिशन से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को अपने मानव मिशन(गगनयान मिशन) की दिशा में मदद मिल सकेगी। गौरतलब है कि गगनयान मिशन भारत का अपना पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसमें एक भारतीय को भारतीय रॉकेट के ज़रिए श्रीहरिकोटा स्टेशन से, यदि सबकुछ ठीक रहा तो, वर्ष 2027 में अंतरिक्ष भेजा जाएगा। वास्तव में वर्तमान में जो मिशन अंतरिक्ष में भेजा जाना है,वह एक प्रकार से गगनयान मिशन की ओर छोटे-छोटे कदम बढ़ाने जैसा है, क्यों कि इस मिशन से भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को बहुत कुछ सीखने की उम्मीदें हैं। जानकारी के अनुसार इसरो के पास अभी तक ह्यूमन स्पेस फ़्लाइट का अनुभव नहीं है। जैसा कि मानव मिशन एक मुश्किल व चुनौतीभरा काम है, ऐसे में इस मिशन से हमें अंतरिक्ष के क्षेत्र में फायदे मिल सकेंगे ऐसी उम्मीदें जताई जा रहीं हैं। जानकारी के अनुसार इस मिशन में साइंस, आउटरीच और कमर्शियल एक्टिविटीज़ पर फ़ोकस होगा। शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे कैसे उगते हैं, इस पर भी अध्ययन करेगी। वास्तव में अंतरिक्ष में लगभग ज़ीरो ग्रैविटी पर पौधे कैसे उगते हैं और इन पौधों में क्या विशेषताएं होंगी, ये भी जानने की कोशिश की इस मिशन के अंतर्गत की जाएगी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने अंतरिक्ष में वहां से वापस आने वाले एस्ट्रो-बायोलॉजी के एक्सपेरिमेंट नहीं किए हैं। पहली बार ये होगा जब भारत कोई एक्सपेरिमेंट भेज जा रहा है, जो अंतरिक्ष से वापस भी आएंगे और यह भारत का इस क्षेत्र में पहला अभूतपूर्व कदम होगा। इस मिशन में करीब 60 साइंटिफ़िक एक्सपेरिमेंट किए जाने हैं, जो एक्सियम के पिछले तीन मिशनों में नहीं किए गए थे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के वैज्ञानिकों ने इनमें से सात एक्सपेरिमेंट का सुझाव दिया है। जानकारी के अनुसार सात के अलावा भी पांच ऐसे एक्सपेरिमेंट भी हैं जो इसरो और नासा मिलकर करेंगे। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्व के बड़े देशों जैसे कि अमेरिका, रूस और चीन के समकक्ष एक बड़ी ताकत बनकर उभरा है। पाठक जानते हैं कि भारत अपने मंगल, चंद्र और आदित्य अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुका है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने चंद्रयान-3 मिशन के तहत 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी और यह मिशन चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 के बाद भारत का तीसरा चंद्र मिशन था। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिससे भारत ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। इसी प्रकार से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो ने 6 जनवरी 2024 को देश के पहले सूर्य मिशन आदित्य एल-1 को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया था। बहरहाल, यदि आगे भी सब कुछ अच्छा चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश भारत आने वाले दस सालों में यानी कि वर्ष 2035 तक अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने और वर्ष 2040 में चंद्रमा पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने में सफल हो पाएगा। वास्तव में कहना ग़लत नहीं होगा कि आज पूरी दुनिया में इसरो की पहचान एक ऐसी स्पेस एजेंसी के रूप में बन चुकी है, जो बहुत कम खर्च में बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। इसरो ने अब तक अनेक देशों के (30 से अधिक देशों) तीन सौ से भी ज्यादा विदेशी सैटेलाइटों को लांच किया है, जिनमें अमेरिका, इंग्लैंड, कनाडा, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देश भी शामिल रहे हैं। वर्तमान मिशन अंतरिक्ष के क्षेत्र में भावी रणनीतिक, तकनीकी, वैज्ञानिक प्रगति की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है।कहना ग़लत नहीं होगा कि आने वाले समय में हमारा इसरो अंतरिक्ष के क्षेत्र में और भी बड़े कीर्तिमान स्थापित करेगा और हम अंतरिक्ष के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर देश होंगे।

हरिद्वार में अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज

हरिद्वार, संवाददाता । धर्मनगरी में मंगलवार को गर्मी का प्रकोप बढ़ गया। अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। साथ ही न्यूनतम तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बहादराबाद अनुसंधान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार साल का सबसे गर्म दिन रहा। उमस, धूप की तपिश और बढ़ते तापमान के बीच मंगलवार को धर्मनगरी में लोग भीषण गर्मी से परेशान रहे। मंगलवार को पूरा दिन गर्मी का अहसास बना रहा। दिन में बढ़ती भीषण गर्मी ने लोगों के पसीने निकाल दिए। बहादराबाद अनुसंधान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। सोमवार को अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। मंगलवार को अधिकतम तापमान के दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज हुई। वहीं, बीते रविवार की तुलना में मंगलवार को अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। रविवार को अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। धर्मनगरी में बढ़ते तापमान के साथ गर्मी बढ़ रही है। साथ ही गर्मी के चपेट में आने से लोग बीमार पड़ रहे है। दोपहर के समय गर्मी के प्रकोप के बीच सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई है। जरूरी काम से जाने वाले लोग दिन में गर्मी से बचने के लिए कपड़े से मुंह ढाक कर और छाता लेकर सड़कों पर आवाजाही कर रहे है। कई स्थानों पर लोग पेयजल पदार्थों का सेवन करते नजर आए। वहीं गर्मी बढ़ने के बाद शहर के विभिन्न अस्पतालों में शरीर अत्यधिक गर्म होने, त्वचा का लाल, रूखा, गर्म और नम होने, सनबर्न, हिट स्ट्रोक, लाल दाने, पेट दर्द, उल्टी, दस्त, एलर्जी, सिरदर्द, चक्कर आदि के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। ओजस हॉस्पिटल के डॉ. दीपक ने बताया कि हाल के दिनों में गर्मी बढ़ने के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ी है। गर्मी से बचाव के तरीके वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. के स्वरूप ने लोगों को सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक तेज धूप में आवाजाही करने से बचने की सलाह दी है। साथ ही आवाजाही के दौरान फुल बाजू की कमीज, सूती कपड़ा और दस्तानों का उपयोग करने और 15 से 30 फीसदी सन प्रोटेक्शन फैक्टर वाली सन प्रोटेक्टेड क्रीम लगाने की भी सलाह दी है। गर्मी में अधिक मात्रा में पानी पीने की भी सलाह वरिष्ठ चिकित्सक दे रहे है। पिछले सात दिनों का तापमान दिन अधिकतम न्यूनतम बुधवार 32 20 गुरुवार 33.5 22.8 शुक्रवार 36 23 शनिवार 37 24 रविवार 37.5 24.5 सोमवार 39.5 26.5 मंगलवार 41.5 27.5

रवि बजाज बने जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के चेयरमैन

हरिद्वार, संवाददाता । जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारीयो की बैठक मध्य हरिद्वार स्थित एक होटल में संपन्न हुई। जिसमें पदाधिकारीयो की सहमति से पूर्व में संरक्षक की जिम्मेदारी संभाल रहे रवि बजाज को चेयरमैन घोषित किया गया है जिला सचिव संजय चौहान ने बताया कि तृतीय ऑल इंडिया इन्विटेशनल बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन नवंबर में हरिद्वार में किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें पूरे देश की कुल 14 टीम प्रतिभाग करेंगी, जिनमें 8 टीमें पुरुष वर्ग से और 6 टीमें महिला वर्ग से रहेंगी। इस आयोजन में पहली बार महिला खिलाड़ियों की टीमें भी प्रतिभाग कर रही हैं। इस अवसर पर जिला सचिव संजय चौहान ने पिछले वर्ष हरिद्वार में संपन्न की गई। उत्तराखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने बताया कि अक्टूबर माह में देहरादून में बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा सब जूनियर अंडर 14 आयु वर्ग का बालक और बालिका राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। उत्तराखंड राज्य के इतिहास में पहली बार इस आयु वर्ग का राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। इससे एक और जहां उत्तराखंड के खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा वहीं। नवनियुक्त चेयरमैन रवि बजाज ने कहा कि एसोसिएशन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है उस पर वे खरा उतरेंगे और भविष्य में बास्केटबॉल को बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे। बैठक का संचालन सचिव संजय चौहान ने किया। इस मौके पर संगठन के संरक्षक और विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष बलराम कपूर, डॉ. अजय मलिक, योगेश शर्मा, आलोक चौधरी, अविनाश झा, दीपांशु विद्यार्थी, अंकुश रोहिला, सुनील गुप्ता, इंद्रेश गौड़, शिवम आहूजा, सुनील अग्रवाल, विवेक वशिष्ठ आदि उपस्थित रहे।

लघु व्यापारियों ने सहायक नगर आयुक्त को बताई समस्याएं

हरिद्वार , संवाददाता । लघु व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम प्रशासन से मुलाकात की। इस बैठक में लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में व्यापारियों ने पांच सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया। बैठक में सहायक नगर आयुक्त महेंद्र यादव, फेरी समिति प्रभारी अधिकारी श्याम सुंदर प्रसाद, कर निर्धारण अधिकारी सुनीता सक्सेना उपस्थित रहे। संजय चोपड़ा ने कहा कि लघु व्यापारियों पर अतिक्रमण के नाम पर शोषण और उत्पीड़न की समस्या को खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा सेक्टर-2 बैरियर से भगत सिंह चौक तक के वेंडिंग जोन की मूलभूत सुविधाएं दी जाएं। साथ ही रोड़ी बेल वाला के महिला पिक वेंडिंग जोन की पुनर्स्थापना की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि फेरी समिति द्वारा 20 मई को की गई बैठक में जिन प्रस्तावों पर चर्चा की गई थी, उनका क्रियान्वयन किया जाए। इसके तहत, हाथ ठेली के लाइसेंस, परिचय पत्र, और प्रमाण पत्र दिए जाने की मांग की गई, जो कि उत्तराखंड शासन की फेरी नीति और नियमावली के अनुसार होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा एक महीना बीत जाने के बावजूद सर्वे की प्रक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जो कि उत्तराखंड शासन की नीति का उल्लंघन है। सहायक नगर आयुक्त महेंद्र यादव ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि 17 जून को फेरी समिति के निर्णय के अनुसार एक संयुक्त कमेटी का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों, रुड़की और हरिद्वार विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि, और पुलिस प्रशासन भी शामिल होंगे, जो मौके पर जाकर महिला पिक वेंडिंग जोन के विकल्प की जांच करेंगे। इसके बाद, सेक्टर 2 बैरियर से भगत सिंह चौक तक के वेंडिंग जोन की पुनर्स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि गंगा के घाटों के सभी पुलों को नगर आयुक्त के निर्देशों के तहत अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा और नो-वेंडिंग जोन के सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। बैठक में लघु व्यापारी संगठनों के प्रमुख सदस्य कमल सिंह, सुनील कुकरेती शामिल रहे।

कांग्रेस ने शहर के ज्वलंत मुद्दों पर डीएम से की चर्चा

हरिद्वार । जिला महानगर कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से भेंटकर उन्हें हरिद्वार की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने कई ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की। जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि कुंभ 2021 के दौरान करोड़ों रुपये की लागत से बने आस्था पथ पर असामाजिक तत्वों का कब्जा हो चुका है। जिससे आम नागरिकों के लिए सुबह-शाम की सैर करना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी एवं बदहाल मोर्चरी की ओर ध्यान आकर्षित किया। पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष संतोष चौहान ने शहर में बढ़ती सूखे नशे की लत पर चिंता जताई और इस दिशा में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता बताई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज सैनी ने भूपतवाला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी का मुद्दा उठाया, जिससे स्थानीय लोगों को इलाज में परेशानी हो रही है। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष अंजू मिश्रा ने बरसात से पूर्व सूरजकुंड की ओर से आने वाले बेलदेई नाले में आने वाली सिल्ट की समस्या को गंभीर बताते हुए समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा, प्रदेश महिला कांग्रेस महासचिव नलिनी दीक्षित एवं हिमांशु राजपूत उपस्थित रहे।

नालों की सफाई मानसून से पहले करें पूरा : मेयर

हरिद्वार । मानसून की दस्तक से पहले नगर निगम हरिद्वार द्वारा नालों की सफाई अभियान को गति दी जा रही है। मंगलवार को मेयर किरन जैसल ने जगजीतपुर क्षेत्र में नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया। मेयर ने मौके पर सफाई कार्य का जायजा लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि मानसून की बारिश कभी भी शुरू हो सकती है, ऐसे में नालों की सफाई कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने चेताया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेयर ने मौके पर मौजूद सहायक नगर आयुक्त ऋषभ उनियाल को नालों की सफाई संबंधि रिपोर्ट रोजाना देने के निर्देश दिए। मेयर ने संबंधित क्षेत्रीय मुख्य सफाई निरीक्षक को भी नाला गैंग द्वारा की जा रही सफाई का मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएनए ऋषभ उनियाल, मुख्य सफाई निरीक्षक विकास चौधरी एवं सफाई नायक राजेश सहित निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विजिलेंस टीम की छापेमारी में आठ लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा

रुड़की । ऊर्जा निगम और विजिलेंस टीम की ओर से मंगलवार को झबरेड़ा क्षेत्र के तीन गांव में छापेमारी कर बिजली चोरी करते हुए आठ लोगों को रंगे हाथ पकड़ा है। विजिलेंस की टीम की कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा। बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया है। कस्बा झबरेड़ा विद्युत उपखंड अधिकारी रिजवान अली ने जानकारी देते हुए बताया कि ऊर्जा निगम की टीम और विजिलेंस टीम ने बिजली चोरी रोकने के लिए चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान तीन गांव में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान विजिलेंस टीम ने झबरेडी कला गांव से ईश्वर को एलटी लाइन पर केवल डालकर कृषि उपयोग के लिए बिजली चोरी करते रंगे हाथ पकड़ लिया। कुलबीर को घरेलू उपयोग के लिए बिजली चोरी करते पकड़ा गया। गांव मानकपुर आदमपुर में पप्पी, नरेश, अर्जुन, छोटन को एलटी लाइन पर केवल डालकर बिजली चोरी करते पकड़ा। वहीं जब नगला कुबड़ा गांव में छापेमारी की गई तो दिनेश और विनोद को एलटी लाइन पर केवल डालकर घरेलू उपयोग के लिए बिजली चोरी करते पाए गए। इस दौरान ऊर्जा निगम की टीम ने बिजली चोरी कर रहे उपभोक्ताओं के केबल जप्त कर लिए। साथ ही मामले की तहरीर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की। इस पर थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह ने कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर दिया है। इस दौरान टीम में इंस्पेक्टर विजिलेंस मारुत शाह, संजीव त्यागी, सहायक अभियंता विजिलेंस धनंजय कुमार, अनिल सिंह, रोबिन सिंह आदि मौजूद रहे।

व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने आईजी से की अतिक्रमण की शिकायत

रुड़की । आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने सिविल लाइंस कोतवाली का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। वह शहर के व्यापारियों से मुलाकात की। व्यापारियों ने अतिक्रमण और यातायात से संबंधी समस्या से आईजी को अवगत कराया। इसके बाद आईजी ने सिविल लाइन कोतवाली में एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल, सीओ रुड़की नरेंद्र पंत आदि अधिकारियों के साथ बैठक की। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप मंगलवार को दिल्ली से वापस लौट रहे थे। तभी अचानक वह सिविल लाइंस कोतवाली पहुंच गए। आईजी ने अधीनस्थों के साथ वार्ता की। उनके आने की जानकारी पाकर प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी भी कोतवाली पहुंच गए।

बोइंग विमान हादसा ! डरावना ब्लैक थर्सडे

संजीव ठाकुर

नमन ,श्रद्धांजलि, ॐ शांति ?।

बोइंग 787-8 ड्रीम लाइनर विमान के पायलट ने अहमदाबाद के वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ने से 15 सेकंड बाद उड़ते विमान का सबसे खतरनाक संदेश " मेडे-मेडे-मेडे" एयर ट्रैफिक कंट्रोल अहमदाबाद एयरपोर्ट को भेजा था और तब ट्रैफिक कंट्रोल के संचालकों को यह मौका भी नहीं मिला कि वे इस फ्रांसीसी शब्द के मतलब विमान को खतरा के संकेत के बाद कोई सुरक्षा व्यवस्था कर पाते,इतनी ही देर में विमान मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में गिरकर आग का गोला बनकर तबाह हो गया और 230 यात्रियों और 12 विमान के क्रू मेंबर सहित काल के गाल में समा गये लेकिन ईश्वर की कृपा से एक यात्री रमेश विश्वास कुमार सकुशल बच गया, यह जीवित व्यक्ति खुद चलते हुए आपातकालीन रक्षक स्क्राड के पास आया उसे तुरंत चिकित्सीय व्यवस्था करवाई गई, रमेश विश्वास कुमार भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं वे अपने भाई नीरज के साथ परिवारजनों से मिलने भारत आए हुए थे पर ईश्वर की लीला देखिए रमेश विश्वास कुमार तो अब कुशल जीवित हैं पर उनके भाई अब इस दुनिया में नहीं रहे वे विमान हादसे के शिकार हो गए।

इसी तरह जैसा की गुजरात के बीजेपी अध्यक्ष पाटील जी ने इस बात की पुष्टि की है कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी इस विमान हादसे में दिवंगत हो गए हैं वे अपनी पत्नी को लाने लंदन जा रहे थे। विमान का संचालन पायलट सुमित सभरवाल कर रहे थे जिन्हें 8200 घंटे विमान उड़ाने का दीर्घ अनुभव था साथ में को पायलट ऑफिसर लाइव सुंदर भी थे जिन्हें 1100 घंटे विमान उड़ाने का भी अनुभव प्राप्त था दोनों पायलट इस विमान हादसे में काल-कवलित हो गए। इस विमान में 169 भारतीय 53 ब्रिटिश 7 पुर्तगाली और एक कनाडा का नागरिक भी था इनमें से रमेश विश्वास कुमार के अलावा किसी को यह कल्पना भी नहीं थी कि उनकी जिंदगी की अनमोल सांसें 60 सेकंड में रुक जाएगी और वे सब सब ईश्वर को प्यारे हो जाएंगे। अहमदाबाद एयरपोर्ट का रनवे 23 एक बार फिर चर्चा में आ गया है दुर्घटना अगस्त विमान बोइंग 787 9 ड्रीम लाइनर भी रनवे 23 से उड़कर लंदन जाने वाला था पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना ने 1988 में हुए एक अन्य विमान हादसे की याद दिला दी अहमदाबाद में 1988 के बाद यह दूसरा बड़ा दर्दनाक विमान हादसा है महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों घटनाएं रनवे 23 से ही जुड़ी हुई है। 19 अक्टूबर 1988 को मुंबई से अहमदाबाद आर इंडियन एयरलाइंस का विमान इसी रनवे पर उतरने से पहले हादसे का शिकार हो गया था। इस विमान में 139 यात्री सवार थे जिनमें से 133 यात्रियों की मौत हो गई थी। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन उड़ान भरने वाले विमान ने रनवे 23 से ही उड़ान भरी थी। 1988 की विमान दुर्घटना की जांच में पाया गया था कि विमान पायलटो की गलती के कारण 500 फीट की न्यूनतम ऊंचाई से नीचे आ गया था रिपोर्ट के अनुसार दोनों पायलटो को रनवे देखने में समस्या हुई थी और उन्होंने एयरपोर्ट के पास पहुंचने का प्रयास किया था इसके कारण वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था 12 तारीख गुरुवार के बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का हालांकि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय नें इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर यह दोनों दुर्घटनाएं रनवे 23 में ही हुई थी। पूर्व पायलट अधिकारियों ने कहा है कि बोइंग 787-8 ड्रीम लाइनर विश्व के सर्वाधिक सुरक्षित एवं सुगम यात्रा करने वाला विमान माना जाता है यह अत्यंत अत्यंत आधुनिक विमान भी था जिसकी फ्यूल कैपेसिटी 126000 लीटर एवियशन फ्यूल की थी और यह एक साथ 12 से 13 घंटे की उड़ान भरने वाला विमान जिसकी गति 900 किलोमीटर प्रति घंटे की थी का इस तरह दुर्घटनाग्रस्त होना और इसके दोनों इंजन अचानक फेल हो जाना एक असंभव सी बात नजर आती है। विमान में एक यात्री को छोड़कर 241 यात्रियों के शरीर काफी जल गए है जिंदगी पहचान करना भी एक बड़ा मुश्किल कार्य प्रशासन के सामने आ गया है इस संदर्भ में गुजरात प्रशासन के स्वास्थ्य विभाग में अपने बयान में कहा की मारे गए लोगों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी। मृतकों की पहचान के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में डीएनए नमूने एकत्रित करने की व्यवस्था की जा रही जिसमें मृतकों के माता-पिता या बच्चे या उनके भाई-बहन अपने डीएनए नमूने दे सकते हैं। जिससे मृतकों की सही-सही पहचान की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद एयरपोर्ट की देखरेख का एवं संचालन का कार्य अडानी ग्रुप करता है एवं एयरलाइंस के विमान टाटा समूह संचालित करता है। इसी तारतम्य में टाटा समूह ने घोषणा की है कि सभी मृतक व्यक्तियों को मुआवजे के तौर पर एक-एक करोड रुपए प्रदान किये जाएगे।

यह बात अत्यंत सत्य है कि जाको राखे साइयां मार सके ना कोय इस कहावत को चरितार्थ करते हुए इस विमान दुर्घटना से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर है कि अहमदाबाद विमान हादसे में ट्रैफिक जाम के कारण एक यात्री भूमि चौहान की जान बच गई एक निजी चैनल को इंटरव्यू देते हुए भूमि ने अत्यंत सहमीं हुई आवाज में बताया कि विमान हादसे की खबर सुनने के बाद मेरा शरीर कांप जाता है मैं कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थी उन्होंने बताया कि ट्रैफिक जाम में फंसने के कारण भूमि 10 मिनट की देरी से सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पहुंची थी जिसके कारण उन्हें अहमदाबाद लंदन की फ्लाइट में चढ़ने की अनुमति नहीं मिली जिससे वे अत्यंत दुखी होकर एग्जिट गेट तक पहुंच गई थी तभी उन्हें पता चला कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और उनकी जान बच गई है। अपनी जान बचाने के लिए ईश्वर को बहुत-बहुत आभार प्रेषित किया है भूमि चौहान 2 साल बाद लंदन से भारत में छुट्टियां मनाने आई थी उन्होंने भगवान को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुझे गणपति बप्पा ने इस बड़े हादसे से बचा लिया है मैं ईश्वर की अत्यंत शुक्रगुजार हूं। उल्लेखनीय है कि बोइंग 787-8 ड्रीम लाइनर की खासियत अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और ईंधन बचाने वाले सक्षम विमान में गिनती की जाती है परंतु यह सदैव विवादों के घेरे में रहा है इसमें सुरक्षा बड़ा मुद्दा है इसके अलावा कई बार उत्पादक गुणवत्ता संबंधी खामियों भी सामने आई हैं अहमदाबाद हादसे ने इस पर फिर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 787 ड्रीमलाइनर परिवार के पहले संस्करण 787-8 को आधिकारिक तौर पर 2004 में लॉन्च किया गया था पहली उड़ान 15 दिसंबर 2009 को भरी थी इसके बाद अक्टूबर 2011 में ऑल निपान एयरवेज के साथ वाणिज्यिक सेवाओं में इसे लॉन्च किया गया था और इसकी उड़ान में 210 से 248 यात्री सफर कर सकते हैं। एयर इंडिया का विमान जब एयरपोर्ट के पास मेडिकल कर्मियों के आवासीय व हॉस्टल परिसर में गिरा तो चश्मदीद गवाहों के अनुसार ऐसा लगा जैसे धरती कांप उठी हो। हॉस्टल में भोजन कर रहे डॉक्टरों एवं आवासीय परिसर में रह रहे परिवारों में से अनुमानित तौर पर लगभग 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि आधिकारिक तौर पर कितने नागरिकों की इस विमान दुर्घटना में मौत हुई है इसकी कोई सूचना नहीं दी गई है।

यह एक अत्यंत संवेदना और मर्म का विषय है कि इस बड़े विमान हादसे में इतने लोगों की मौत पर पूरे देश को झगजोर दिया है पूरा देश नीशब्द और मौन है। इस हादसे से कई शहरों के कई नागरिक, माता,बहनों एवं पतियों को भारत ने को दिया है हम उनके परिवार के साथ सतत खड़े हैं एवं मृत आत्माओं की शांति के लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं एवं उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ॐ शांति ॐ।

विराट कोहली के सपने साकार

मनोज चतुर्वेदी

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने पहली बार आईपीएल खिताब जीता जरूर पर इसे विराट कोहली के सपने के साकार होने के तौर पर ही लिया गया। इस कारण फाइनल मैच का परिणाम आने पर अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर बने माहौल ने 2011 में वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने पर बने माहौल की यादें ताजा कर दीं। उस वक्त सारी टीम सचिन तेंदुलकर के विश्व कप जीतने के सपने के साकार होने पर उन्हें कंधे पर उठा कर घुमा रही थी। वजह यह थी कि विराट 2008 से इस टीम को खिताब जिताने के लिए प्रयास करते रहे थे पर खिताब से दूरी खत्म होकर नहीं दे रही थी। इस खिताब का विराट को किस बेसब्री से इंतजार था, इसे उनकी भावनाओं से समझा जा सकता है। जॉश हेजलवुड के आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर छक्का लगते ही आरसीबी का खिताब जीतना पक्का हो गया था। खिताब तय होते ही विराट की आंखें खुशी से नम हो गई और खेल खत्म होते ही वह मैदान पर सिर झुका कर अपनी भावनाएं बयां करते रहे। जिस काम को अनिल कुंबले, डेनियल विटोरी और खुद विराट कप्तान रहते नहीं कर पाए थे, उसे रजत पाटीदार ने कर दिखाया। इस तरह अब मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, डेक्कन चार्जर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के साथ आरसीबी का भी नाम आईपीएल खिताब जीतने वाली टीमों में शामिल हो गया है। आरसीबी का यह फाइनल खेलने का चौथा मौका था जिसमें से 2009 और 2016 में तो वह बहुत ही मामूली अंतर से पिछड़ कर खिताब जीतने से रह गई थी। 2009 के फाइनल में उसे छह रनों से और 2016 में आठ रनों से हार का सामना करना पड़ा था। हां, वह 2011 के फाइनल में जरूर बुरी तरह से हार गई थी। पर इन सबकी कमी उसने पंजाब किंग्स को छह रनों से हरा कर पूरी कर दी। आरसीबी का खिताबी सपना तो पूरा हो गया पर पंजाब किंग्स का सपना अधूरा बना हुआ है। अय्यर जिस तरह से कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिल कर टीम को तस्वीर बदलने में सफल हुए हैं और उन्होंने दूसरे क्वालिफायर में जिस तरह से मुंबई इंडियंस की चुनौती तोड़ी, उससे वह भी खिताबी मजबूत दावेदार मानी जा रही थी पर शायद किस्मत में चौंपियन बनना लिखा नहीं था। इस आईपीएल खिताब का आरसीबी और विराट को इंतजार था, उसी तरह लग रहा था कि नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद दर्शक भी चाहते थे कि विराट की पिछले 17 सालों से चली आ रही दूरी खत्म हो। पूरा स्टेडियम आरसीबी की जर्सी पहने पटा पड़ा था। आरसीबी के पक्ष में चौका या छक्का लगने या फिर विकेट मिलने पर स्टेडियम शोर से गूंज उठता था। आरसीबी टीम ने विराट और उनके चहेते दर्शकों को निराश नहीं किया। खिताब जीतने पर भावनाओं से भरे विराट ने कहा, श्यह जीत जितनी टीम के लिए है, उतनी ही प्रशंसकों के लिए भी है। यह पूरे 18 सालों का इंतजार था। मैंने इस टीम को अपना युवा समय, अपना सर्वश्रेष्ठ दौर और अपना अनुभव सब कुछ दिया। हर सीजन इसे जीतने की कोशिश की और अपनी सारी ताकत लगा दी। अब जाकर इसे हासिल करना अविसनीय अहसास है। कभी नहीं सोचा था कि यह दिन आएगा। मैं आखिरी गेंद के बाद भावनाओं में बह गया। अपनी सारी ऊर्जा झोंक दी और अब जो महसूस हो रहा, वो बयां करना मुश्किल है। वाकई कमाल का अहसास है। आरसीबी के विजेता बनने पर एक और तस्वीर देखने को मिली। आरसीबी की सफलताओं में अहम भूमिका निभाने वाले एबी डिविलियर्स टीम के विजेता बनते ही मैदान में दौड़कर आए और विराट को गले लगा लिए। क्रिस गेल भी वहां पहुंच कर विराट को गले लगाकर बधाई देते नजर आए। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरसीबी के महान खिलाड़ियों की सूची में विराट का नाम सबसे ऊपर है। पर डिविलियर्स और गेल का नाम विराट के बाद होने में शायद ही किसी को शक हो। विराट ने कहा, श्इन दोनों ने फ्रेंचाइजी के लिए जो किया है, वह जबर्दस्त है। इसलिए यह जीत जितनी मेरी है, उतनी ही इन दोनों की भी है। इसलिए ट्रॉफी को हम एक साथ उठाएंगे॥ अय्यर भले ही पंजाब किंग्स को खिताब नहीं दिला सके पर वह तीन टीमों को फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। पिछले साल केकेआर को विजेता बना चुके हैं और इससे पहले दिल्ली केपिटल्स उनकी अगुआई में फाइनल में पहुंची थी। आरसीबी को विजेता बनने पर 20 करोड़ और पंजाब किंग्स को उपविजेता रहने पर 13.5 करोड़ का इनाम मिला। मुंबई को 7 करोड़ और गुजरात टाइटंस को 6.5 करोड़ रुपये का इनाम मिला। साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 759 रन बना कर ऑरेंज कैप और प्रसिद्ध कृष्णा ने 25 विकेट लेकर ऑरेंज कैप मिली। इस सत्र के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को एक पारी में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने और सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का इनाम मिला।

हरित भविष्य को सशक्त बनाना: मोदी सरकार के 11 वर्षों ने भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को कैसे बदल दिया

प्रहलाद जोशी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि हमने दृढ़ संकल्प, नवाचार और बेजोड़ प्रदर्शन के साथ उन्हें हासिल भी किया है।

सौर ऊर्जा में तीसरे, पवन ऊर्जा में चौथे और कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान के साथ, आज भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक है। 232 गीगावाट से अधिक स्थापित और 176 गीगावाट निर्माणाधीन नवीकरणीय क्षमता होने के साथ, हम न केवल अपनी ऊर्जा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं, बल्कि ऊर्जा में बदलाव से जुड़ी वैश्विक चर्चा को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह प्रगति संयोग नहीं है, बल्कि यह पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार किए गए साहसिक सुधारों, समयबद्ध फैसलों और स्पष्ट दीर्घकालिक दृष्टिकोण का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास एक मजबूत नवीकरणीय ऊर्जा इकोसिस्टम बनाने का एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा को वैश्विक प्राथमिकता बनने से बहुत पहले बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं का बीड़ा उठाया था। 2014 में पदभार संभालने के बाद, उन्होंने उस विजन को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। नतीजतन, आज भारत सौर, पवन और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े नवाचार में एक वैश्विक लीडर के रूप में खड़ा है।

पिछले वर्ष में ही, हमने राष्ट्रीय ग्रिड में रिकॉर्ड 29 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के सिर्फ 2.63 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 108 गीगावाट से अधिक हो गई है, जो 41 गुना की आश्चर्यजनक वृद्धि है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 51 गीगावाट को पार कर गई है। देश भर में फैली इन परियोजनाओं को अब एकीकृत पारेषण प्रणाली के माध्यम से एक साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे एक राष्ट्र एक ग्रिड (वन नेशन वन ग्रिड) का सपना साकार होगा, जहां प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो, विश्वसनीय बिजली प्राप्त कर सकेगा।

लेकिन इस बदलाव के स्तर को समझने के लिए हमें यह याद रखना होगा कि हमने शुरुआत कहां से की थी। वर्ष 2014 में भारत का बिजली क्षेत्र गहरे संकट से जूझ रहा था। बिजली की कमी लगातार बनी हुई थी। 2012 में डबल ग्रिड फेलियर हुआ, जिसने सबसे पहले उत्तरी क्षेत्र को 36,000 मेगावाट लोड की हानि के साथ प्रभावित किया और बाद में उत्तरी, पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी ग्रिडों के ध्वस्त होने का कारण बना, जिससे 48,000 मेगावाट का असर पड़ा। ये घटनाएं आज भी हमारी यादों में ताजा है। पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर पर अत्यधिक बोझ था और निवेशकों का भरोसा कम था। नवीकरणीय ऊर्जा को महंगा और

अविश्वसनीय माना जाता था। वैश्विक समुदाय ने भारत को एक गंभीर स्वच्छ ऊर्जा खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा। वहीं, देश के भीतर, जनता की अपेक्षाएं मामूली थीं। नीतिगत अनिर्णायकता की स्थिति के चलते भी भारत को श्नाजुक पांचश अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में गिना जाता था।

वह परिदृश्य निर्णायक रूप से बदल गया है। भारत ऊर्जा की कमी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ गया है। पिछड़ने की स्थिति से उबरते हुए, अब हम मिसाल के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं।

यहां, मैं मोदी सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए गए 11 परिवर्तनकारी सुधारों पर प्रकाश डालता हूं, जिनमें से प्रत्येक आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सबसे पहले, फीड-इन टैरिफ से पारदर्शी, बाजार-संचालित बोली प्रक्रिया में बदलाव ने एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। प्रतिस्पर्धी बोली और टैरिफ युक्तिकरण के कारण सौर टैरिफ 2010 में 10.95 प्रति यूनिट से गिरकर 2021 तक आश्चर्यजनक रूप से 1. 99 प्रति यूनिट रह गया, जिसने भारत को सौर ऊर्जा में मूल्य के मामले में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया। इस सुधार ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया और जीवाश्म ईंधन के साथ मूल्य के मामले में समानता स्थापित की है।

दूसरा, अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों की छूट एक और प्रमुख कदम रहा है। इन शुल्कों को हटाकर, सरकार ने परियोजना डेवलपर्स के लिए प्रमुख बाधाओं में से एक को समाप्त कर दिया। अपतटीय पवन के लिए 2032 तक और हरित हाइड्रोजन के लिए 2030 तक विस्तारित, इस नीति ने भौगोलिक सीमाओं से नवीनीकरणीय ऊर्जा परिनियोजन को प्रभावी रूप से मुक्त कर दिया और पूरे भारत में ऊर्जा प्रवाह को प्रोत्साहित किया।

तीसरा, आयात पर निर्भरता कम करने और रोजगार सृजन के लिए सरकार ने 24,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन के साथ सौर विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की। इससे घरेलू विनिर्माण में उछाल आया है, जो 2014 की 2.3 गीगावाट से बढ़कर मॉड्यूल में 88 गीगावाट और 2025 तक सेल क्षमता में 0 से 25 गीगावाट हो गया है। भारत अब केवल सौर ऊर्जा का उपयोग ही नहीं कर रहा है, बल्कि इसे बना भी रहा है। इससे आपूर्ति शृंखला मजबूत होती है और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ती है।

चौथा, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए, सरकार ने मॉडल और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलएमएम), घटकों और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलसीएम) के साथ-साथ घरेलू सामग्री आवश्यकताओं (डीसीआर) को लागू किया, जिससे गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला की संपूर्णता सुनिश्चित हुई और आयातित सौर घटकों पर निर्भरता कम हुई। इन उपायों ने भारतीय निर्माताओं के लिए एक समान अवसर तैयार किए हैं, जिससे एक लचीले और प्रतिस्पर्धी सौर इकोसिस्टम का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

पांचवां, प्रधानमंत्री के विजन के तहत, पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना एक परिवर्तनकारी पहल बन गई है, जिसका लक्ष्य 30 गीगावॉट की विकेंद्रीकृत क्षमता तैयार करने के लिए एक करोड़ घरों में छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करना है। लगभग 13.75 लाख घरों को पहले ही इससे जोड़ा जा चुका है, जिससे जमीनी स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच में बदलाव आ रहा है। इसी तरह, पीएम-कुसुम योजना किसानों को विकेंद्रीकृत सौर प्रणाली लगाने में सक्षम बनाकर कृषि को सौर ऊर्जा से लैस कर रही है। 11 लाख से अधिक पंपों को सौर ऊर्जा से युक्त किया गया है, जिससे भारत का ये सबसे अधिक ऊर्जा-गहन क्षेत्र जलवायु सहयोगी में बदल गया है।

सातवां, भारत अब स्वच्छ ऊर्जा के मामले में दुनिया का अनुसरण नहीं कर रहा है, बल्कि दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। 2014 में एफडीआई के मामूली प्रवाह से, भारत ने अप्रैल 2020 से सितंबर 2024 के दौरान आरई क्षेत्र में +19.98 बिलियन का एफडीआई आकर्षित किया, जो आज भारत में एफडीआई आकर्षित करने वाले शीर्ष क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रहा है। इससे देश के वैश्विक स्तर पर बढ़ते कद और आर्थिक क्षमता का पता चलता है। इस यात्रा में एक अन्य प्रमुख उत्प्रेरक लगभग ?20,000 करोड़ के निवेश समर्थन वाला राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन है, जिसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ ईंधन के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है।

आठवां, पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर इस बदलाव की रीढ़ बना हुआ है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर और 2030 ट्रांसमिशन (पारेषण) रोडमैप में भारत का निवेश सुनिश्चित करता है कि अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं ग्रिड से कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय तरीके से जुड़ सकें। यह पहल कटौती के जोखिम को कम करती है और ग्रिड स्थिरता को बढ़ाती है। नौवां, सरकार भारत के समुद्र तट की विशाल क्षमता का भी दोहन कर रही है। 2030 तक 37 गीगावॉट की निविदाओं की योजना के साथ अपतटीय पवन (ऑफशोर विंड) पहल को व्यवहार्यता अंतर निधि और मजबूत साइट सर्वेक्षणों द्वारा समर्थित किया जा रहा है। गुजरात और तमिलनाडु में पायलट परियोजनाएं पहले से ही भारत के अगले अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की नींव रख रही हैं।

दसवीं बात, बिजली आपूर्ति में रुकावट की चुनौती को पहचानते हुए भारत ने हाइब्रिड और चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने की नीति के साथ निर्णायक कदम उठाया है। पवन-सौर हाइब्रिड और ठोस एवं प्रेषण योग्य अक्षय ऊर्जा (एफडीआरई) को बढ़ावा देकर भारत चौबीसों घंटे स्वच्छ ऊर्जा समाधान तैयार कर रहा है। पाइपलाइन में 65 गीगावाट से अधिक क्षमता के साथ, यह ग्रिड की विश्वसनीयता और जीवाश्म-आधारित बेसलोड बिजली के विकल्प के लिए महत्वपूर्ण है।

ग्यारहवीं बात, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में हम उन घरों तक पहुंच रहे हैं, जहां पहले कभी बिजली नहीं थी। विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के लिए विशेष सौर कार्यक्रमों और पीएम जनमन मिशन और सीपीएसयू योजना चरण-ढ्ढढ्ढ के तहत हजारों घरों में बिजली पहुंचाई गई है। ये सिर्फ ऊर्जा कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये सशक्तिकरण और समावेशी विकास के साधन हैं।

वैश्विक मान्यता और घरेलू संकल्प

भारत सिर्फ अपने देश में ही प्रगति नहीं कर रहा है, बल्कि हम वैश्विक स्तर पर भी नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर अलायंस) ने 100 से ज्यादा देशों को एक साथ ला खड़ा किया है। श्एक सूर्य एक दुनिया एक ग्रिढ्ढ का विजन दुनिया को दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा किस तरह से देशों को एकजुट कर सकती है। यह भारत में मुख्यालय वाला पहला अंतरराष्ट्रीय और अंतर-सरकारी संगठन भी है। दुनिया भारत को देख रही है। साथ ही दुनिया भारत से सीख रही है।

री-इन्वेस्ट 2024 में दुनिया भर के निवेशकों ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिए 2030 तक 32.45 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का संकल्प लिया। अक्षय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रमुख बैंकों के शीर्ष अधिकारियों ने वित्तीय सहायता को मजबूती देने और इस क्षेत्र में निवेश में तेलाने के लिए भाग लिया। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को तेसे आगे बढ़ाने और राज्यों के बीच प्रदर्शन और नवाचार के लिए प्रतिस्पर्धी माहौल को प्रोत्साहन देने के लिए, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्रियों के साथ नियमित बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं।

हाल ही में 24 मई 2025 को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ विस्तृत चर्चा की। सूर्यमित्र, वायुमित्र और जल ऊर्जामित्र जैसी पहलों को भविष्य के लिए तैयार हरित कार्यबल को आकार देने के उद्देश्य से प्रमुख कौशल कार्यक्रमों के रूप में पेश किया गया।

आगे की राह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली क्षमता का लक्ष्य रखा है। अब तक, हम 228 गीगावाट के आंकड़े को छू चुके हैं। 176 गीगावाट निर्माणाधीन है। और 72 गीगावाट बोली के चरण में है। हम न केवल सही रास्ते पर हैं, बल्कि हम उम्मीद से बेहतर हैं। इससे न केवल हम अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे, बल्कि हमारी बिजली की मांग को भी समर्थन मिलेगा, जो 2032 तक दोगुनी होने की उम्मीद है।

साथ ही, हम 2047 तक 1,800 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करने के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। साथ में, ये उपलब्धियां स्वच्छ और समावेशी विकास द्वारा संचालित एक विकसित भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता की रीढ़ हैं। नए भारत का सूरज चमक रहा है। और, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हम दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

सितारे जमीन पर का पहला गाना गुड फॉर नथिंग जारी

तारे जमीन पर जैसी आइकॉनिक फिल्म के स्पिरिचुअल सीक्वल सितारे जमीन पर का जबरदस्त और हंसाने वाला ट्रेलर देखने के बाद अब इसका पहला गाना रिलीज हो गया है. फिल्म का गाना गुड फॉर नथिंग दर्शकों में फिल्म को लेकर मस्ती और जोश को और भी बढ़ा रहा है. साल 2007 की सुपरहिट फिल्म के इस सीक्वल के ट्रेलर को पहले ही जबरदस्त प्यार मिल चुका है और अब ये नया गाना उस उत्साह को और मजबूत करता दिख रहा है. गुड फॉर नथिंग गाने में आमिर खान कोच गुलशन के रोल में अपनी बास्केटबॉल टीम को ट्रेनिंग देते नजर आए. ये गाना देखने में बेहद मजेदार है. कोच गुलशन जहां अपनी एनर्जी से ट्रेनिंग में जान डालते हैं, वहीं उनकी टीम भी सीखते-सीखते मस्ती करती दिखती है. गाने में प्यार, हंसी, थोड़ी टक्कर, मेहनत और खुशी है, जो इसे देखने में पूरी तरह दिलचस्प बनाता है. ये गाना फैमिली एंटरटेनर के तौर पर फिल्म के मूड को सेट करता है और रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ा देता है. गुड फॉर नथिंग गाने को शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने अपने मजेदार और जोशीले अंदाज में गाया है. गाने में नील मुखर्जी ने गिटार पर और शेल्डन डीसिल्वा ने बास पर कमाल का साथ दिया है, जो इसकी एनर्जी को और भी बढ़ाता है. आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर. आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है. इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है. इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है. आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 का ऑफिशियल एलान, कई बड़े नाम शामिल; नेटफ्लिक्स पर 21 जून से होगा स्ट्रीम

कॉमेडी शो श्द ग्रेट इंडियन कपिल शोश के पिछले दो सीजन ने दर्शकों को खूब हंसाया था। अब कपिल शर्मा का यह शो अपने तीसरे सीजन के साथ फिर से हंसी-ठिठोली का डोज लेकर आ रहा है। इस सीजन में कई सरप्राइज कर देने वाले चेहरों का दीदार होने वाला है। कॉमेडियन और एक्टर कपिल ने वीडियो के जरिए शानदार अंदाज में सभी कलाकारों को आमंत्रण दिया है। देखें कब और किन कलाकारों के साथ आ रहे कपिल।

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के तीसरे सीजन से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में कपिल शर्मा शो के सभी कलाकारों को फोन करके उसके नए सीजन की जानकारी दे रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि क्या नया किया जा सकता है। यह नया सीजन नेटफ्लिक्स पर 21 जून से स्ट्रीम होगा। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, श्हंसी आउट ऑफ कंट्रोल होगी क्योंकि कपिल और उनकी टीम एक बार फिर वापस आ गई है। अब हर फनीवार, बढ़ेगा हमारा परिवार श्द ग्रेट इंडियन कपिल शोश के नए सीजन के साथ। 21 जून से केवल नेटफ्लिक्स पर।

शेयर किए गए वीडियो पोस्ट में कपिल शर्मा ने सबसे पहले अर्चना पूरन सिंह को फोन किया और उन्हें शो के नए सीजन के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में अर्चना से कहा कि उन्हें अब बैंक से लोने लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि शो का तीसरा सीजन आ रहा है। इसके बाद उन्होंने अभिनेता कीकू शारदा को फोन करके कहा कि इस बार कुछ अलग करना है। इसके अलावा उन्होंने सुनील ग्रोवर और कृष्णा को फोन कर नए सीजन की जानकारी दी।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पहले सीजन ने सभी दर्शकों को खूब हंसाया था। इसमें सुनील ग्रोवर के गुत्थी किरदार को सभी ने बेहद पंसद किया था। अब इस नए सीजन में कपिल शर्मा के अलावा सुनील ग्रोवर, कृष्णा, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह जैसे नाम शामिल हैं। दर्शक इस नए सीजन को लेकर काफी उत्साहित दिख रहे हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अभिनेत्री पायल घोष ने तुर्की यात्रा की रद्द, कहा- पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते

एक्ट्रेस पायल घोष ने अपनी तुर्की यात्रा को रद्द करने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद तुर्की और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसी वजह से भारतीयों में तुर्की के प्रति नाराजगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, पायल ने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये का अच्छा ऑफर मिला था, फिर भी उन्होंने तुर्की जाने से साफ इन्कार कर दिया।

पायल घोष ने कहा, पैसा देश की इज्जत और गर्व से ऊपर नहीं हो सकता। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, फिर एक एक्ट्रेस या आर्टिस्ट। जैसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, वैसे ही पीठ में छुरा घोंपना और टूरिस्ट विजिट्स और एंटरटेनमेंट एक साथ नहीं हो सकता।

पायल घोष ने कहा, अगर तुर्की ने ऐसे अहम वक्त में पाकिस्तान का साथ चुना, तो वे हम भारतीयों से या हमारे टूरिज्म से कमाई की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वो सेलिब्रिटी के रूप में हो या आम पर्यटक के तौर पर। मैं अपने फैसले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, इसलिए मैंने तुर्की जाने का प्लान रद्द कर दिया। भगवान की कृपा से मुझे जो चाहिए, वह सब मिला है। मैं पैसे के लिए अपने देश को कभी पीछे नहीं रख सकती। जय हिंद!

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की कमाई में आया उछाल, केसरी वीर की हालत पतली

भूल चूक माफ से लेकर केसरी वीर और मिशन इम्पॉसिबल 8 तक सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी फिल्म दर्शकों को उस हिसाब से अपनी ओर खींचने में सफल नहीं हो पा रही है। जानते हैं मंगलवार को कैसा रहा इन फिल्मों हाल।

इस शुक्रवार थिएटर्स में रिलीज हुई कॉमेडी-फैमिली ड्रामा फिल्म भूल चूक माफ से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, फिल्म की शुरूआत बॉक्स ऑफिस पर उतनी अच्छी नहीं रही। लेकिन रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। जबकि अब वीक डेज में भी फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। सोमवार को 4.5 करोड़ की कमाई करने वाली भूल चूक माफ की मंगलवार की कमाई में उछाल देखने को मिली। पांचवें दिन फिल्म ने 4.79 करोड़ की कमाई की। इसके साथ राजकुमार राव की फिल्म ने पांच दिनों में कुल 37.29 करोड़ का कारोबार कर लिया है।

सोमनाथ मंदिर पर हमले और उसकी रक्षा करने की कहानी दिखाने वाली फिल्म केसरी वीर पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती दिख रही है। सिर्फ 25 लाख से अपनी शुरूआत करने वाली केसरी वीर की कमाई में कोई सुधार होते नहीं दिख रहा है। सोमवार को 18 लाख की कमाई करने के बाद केसरी वीर की मंगलवार को कमाई और घट गई और फिल्म सिर्फ 15 लाख रुपए का कारोबार कर पाई। इस तरह से पांच दिनों में फिल्म कुल 1.23 करोड़ का कारोबार कर पाई है।

रोजाना मेकअप करना सही या गलत? क्या इससे स्किन पर पड़ता है असर?

मेकअप करना महिलाओं की पहली पसंद होता है. जो उनकी सुंदरता को निखारता है. लेकिन क्या आप जानते हैं रोजाना मेकअप करने से हमारी स्किन पर किस प्रकार का असर पड़ता है? अगर नहीं जानते हैं, तो यह खबर आपके लिए है. लंबे समय तक त्वचा पर मेकअप लगाएं रखना स्किन पर प्रभाव डालता है. इस आर्टिकल में हम बताएंगे किस तरह मेकअप स्किन के लिए खतरनाक हो सकता है.

स्किन पर पड़ता है सकारात्मक प्रभाव

स्वाभाविक है कि मेकअप करने से महिलाओं की सुंदरता बढ़ जाती है. लेकिन यही मेकअप कब आपकी स्किन डैमेज कर देता है, आपको पता भी नहीं चलता है. आजकल इस फैशन के दौर में छोटी-छोटी लड़कियां भी रोजाना मेकअप करती है, कम उम्र में रोजाना मेकअप भविष्य में स्किन खराब कर सकता है. रोजाना मेकअप करने के कई सारे नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं. इसके प्रयोग से त्वचा पर नुकसान हो सकता है और कई स्किन से संबंधित समस्याएं हो सकती है.

स्किन के लिए मेकअप है खतरनाक

रोजाना मेकअप करना अब महिलाओं की आदत बन गया है. मेकअप लगाने से त्वचा के पोर्स बंद हो जाते हैं, जिससे स्किन सेल डैमेज होने लगते हैं. यही नहीं फेस पर मुंहासे, पिंपल्स और एलर्जी जैसी समस्याएं होने लगती है, जिससे पूरा फेस लाल होने लगता है. रोजाना मेकअप त्वचा को सांस लेने में दिक्कत दे सकता है. इसके अलावा इससे स्किन का रंग फीका होने लगता है. बाजार में मिलने वाले कुछ मेकअप में केमिकल होने की वजह से स्किन से संबंधित समस्याएं होने लगती है.

अपनाएं ये टिप्स

1. रोजाना मेकअप करने के बदले आप कभी-कभी मेकअप करें.
2. भारी मेकअप के बदले आप हल्का मेकअप करें, जिससे त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचेगा.
3. मेकअप हटाने के लिए मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें.
4. अगर आप रोजाना मेकअप करती हैं, तो सोने से पहले पूरा फेस साफ करके सोए.

बच्चों में है ज्यादा मीठा खाने की आदत, तो तुरंत अपना लें ये खास टिप्स

मीठा खाना हर किसी को पसंद होता है. चाहे वह मिठाई हो, चॉकलेट हो या फिर कोई भी मीठा व्यंजन. लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है. बात करें छोटे बच्चों की तो उनमें मीठा खाने की लत लग जाती है, जिससे कई सारी बीमारियों का खतरा होता है. मां-बाप चाहे कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन बच्चा मीठा खाएं बिना रहता नहीं है. ऐसे में कई माता-पिता परेशान रहते हैं. आप भी बच्चों के मीठा खाने से परेशान है, तो यह खबर आपके लिए है.

ज्यादा मीठा सेहत के लिए खतरनाक

मीठे का नाम सुनते ही हमारे मुंह में पानी आने लगता है. लेकिन ज्यादा मीठा खाना हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है. छोटे बच्चे अधिक मात्रा में मीठा खाते हैं, जिससे उनका वजन बढने़ लगता है और कम उम्र में ही उन्हें बीमारियों का सामना भी करना पड़ सकता है. यही नहीं ज्यादा मीठा खाने से भविष्य में डायबिटीज जैसी बीमारी होने का खतरा बना रहता है. बच्चे जब जरूरत से ज्यादा चॉकलेट, टॉफी या मिठाई खा लेते हैं, तो उनके दांत सडने़ लग जाते हैं, जिससे धीरे-धीरे बच्चा बीमार होने लगता है. इसलिए मीठे का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए.

मीठा खाने से मिलेगा छुटकारा

मीठा खाने की लत आसानी से नहीं छूटती, इसके लिए धीरे-धीरे शुरुआत करनी पड़ेगी. छोटे बच्चों को मीठा खाने की इच्छा होने पर आप उन्हें दही, फल या जूस का सेवन करा सकते हैं, ऐसा करने से उनका पेट भरा हुआ रहेगा साथ ही बच्चों की मीठा खाने की इच्छा भी कम हो जाएगी. कभी-कभी हम भावनाओं में आ कर बच्चों को चॉकलेट दे देते हैं, लेकिन ऐसा करना बेहद गलत है. इसलिए कोशिश करें कि अपनी भावनाओं को समझें और मीठे पर कंट्रोल करें. इसके अलावा आप अपने घर में मौजूद जितने भी मीठे पदार्थ हो, उन्हें किसी को दे दें. इससे मीठे व्यंजन नजर में नहीं आएंगे और बच्चे जिद भी नहीं करेंगे. इन सरल उपाय को कर आप धीरे-धीरे मीठे पर कंट्रोल कर सकते हैं.

थ्रेडिंग से पहले जान लें ये बातें, वरना बिगड़ सकता है आईब्रो का शेप

हर किसी के चेहरे पर अलग तरह की आईब्रोज की सेप अच्छी लगती हैं. किसी को मोटी आईब्रोज पसंद हैं, तो किसी को पतली. अगर आईब्रोज़ चेहरे के हिसाब से सही नहीं हैं, तो ये आपके लुक को खराब भी कर सकती हैं. इसलिए आईब्रोज को सही शेप देना बहुत ज़रूरी है. चेहरे की बनावट के अनुसार आईब्रोज़ की शेप तय करना चाहिए. अगर आप भी अपनी आईब्रोज़ को परफेक्ट शेप देना चाहते हैं, तो ब्यूटी पार्लर जाने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें. आइए जानते हैं कि ये जरूरी बातें क्या हैं.

लंबे चेहरे के लिए

अगर आपका चेहरा लंबा है, तो सीधी और लंबी आईब्रोज आपके लिए बेहतरीन चुनाव होगी. यह शेप आपके चेहरे की लंबाई को ऑप्टिकली कम करके दिखाती है, जिससे आपका चेहरा अधिक संतुलित और आकर्षक लगता है.

गोल चेहरे के लिए- अगर आपका चेहरा गोल है, तो आपके लिए थोड़ी ऊंची और धनुषाकार आईब्रोज परफेक्ट चॉइस हैं. इस तरह की आईब्रोज आपके चेहरे को लंबा और संकीर्ण दिखाने का काम करती हैं, जो गोल चेहरे की चौड़ाई को कम दिखाने में मदद करती हैं. यह न सिर्फ आपके चेहरे को अधिक बैलेंस्ड लुक देती हैं बल्कि आपके समग्र रूप में भी सुंदरता जोड़ती हैं. इसलिए, अगली बार जब भी आप थ्रेडिंग करवाने जाएं, धनुषाकार आईब्रोज के लिए कहें, जो आपकी खूबसूरती को और भी निखार देगी.

अंडाकार चेहरे के लिए - अंडाकार चेहरा, जिसे आदर्श चेहरे का आकार कहा जाता है, पर सभी प्रकार की आईब्रोज खूबसूरती से फबती हैं. चाहे आपकी आईब्रो सीधी हो, धनुषाकार या गोलाकार, हर स्टाइल इस चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है.

चौकोर चेहरे के लिए- चौकोर चेहरे वालों के जबड़े मजबूत और माथा चौड़ा होता है. ऐसे चेहरों पर गोल या धनुषाकार आईब्रोज खूब जचती हैं. ये आईब्रोज़ चेहरे की मजबूती को थोड़ा हल्का दिखाकर चेहरे को नरम और आकर्षक बनाती हैं. धनुषाकार या गोल आईब्रोज से चेहरे का कठोर लुक कम होता है और चेहरे पर एक संतुलित, मीठी मुस्कान आ जाती है, जिससे आपका पूरा लुक और भी सुंदर लगने लगता है.

गर्मियों में महिलाओं को एक दिन में कितना पानी पीना चाहिए और क्यों?

इंसान के शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना हुआ है. इस बात से हम अंदाजा लगा सकते हैं कि एक इंसान की जिंदगी में पानी का क्या महत्व है. डॉक्टर्स भी सलाह देते हैं कि जितना हो सके पानी पीजिए. खासकर गर्मियों में तो खूब पानी पीजिए. क्योंकि गर्मियों में अक्सर लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाते हैं.

पानी पीने से शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं. कई रिसर्च साफतौर पर यह बात कहती है कि एक इंसान को हर रोज 3 लीटर पानी पीना चाहिए. पानी पीने से शरीर से जुड़ी समस्या दूर हो जाती है. आज हम बात करेंगे कि एक महिला को खासकर गर्मियों में कितना लीटर पानी पीना चाहिए? खासकर भारतीय महिला पानी कम पीती हैं. जिसके कारण उन्हें गैस, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत होती है. आज हम उन्हीं सब मुद्दों पर बात करेंगे. साथ ही बात करेंगे शरीर को एक्टिव और ठीक ढंग से काम करे इसके लिए पानी की क्या भूमिका है?

एक दिन में कितना पानी पीना चाहिए?

कई रिसर्च में इस बात का खुलासा किया गया है कि एक वयस्क इंसान को रोजाना 2.7 लीटर पानी पीना चाहिए. ऐसा करने से उन्हें स्वास्थ्य संबंधी शिकायते नहीं होती है. अगर वह ऐसा नहीं करेंगे तो डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं. एक दिन में कम से कम 7-8 ग्लास पानी पीना बेहद जरूरी है.

गर्मियों में एक दिन में महिला को पीना चाहिए इतना पानी

हालांकि हर इंसान के शरीर में पानी की जरूरत अलग-अलग हो सकती है. पोषण और आहार विज्ञान अकादमी के मुताबिक सेहतमंद महिलाओं को लगभग हर रोज 6 ग्लास पानी पीना चाहिए. वहीं पुरुषों को लगभग 7-8 गिलास पानी पीना चाहिए.

शरीर के हिसाब से पिएं पानी

एक इंसान को कितना पानी पीना चाहिए यह पूरी तरह से उसके शरीर और काम पर निर्भर करता है. अगर कोई व्यक्ति पूरे दिन धूप में काम कर रहा है तो उसके शरीर में पानी की खपत ज्यादा होगी. वहीं कोई व्यक्ति वर्क फ्रॉम होम या एसी में बैठकर काम करता है तो उसके शरीर में पानी खपत अलग होगी. इसलिए अपने शरीर के जरूरत के हिसाब से पानी पिएं.

संतों का जीवन परमार्थ के लिए समर्पित : डीपी यादव

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने की हनुमान की पूजा अर्चना, लिया डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज का आशीर्वाद

हरिद्वार, संवाददाता । उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मपाल यादव (डीपी यादव) ने कहा कि संतों का जीवन समाज सेवा, शिक्षा और भक्ति के माध्यम से मानवता की सेवा करने में समर्पित होता है। संत केवल आत्मसाक्षात्कार तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने ज्ञान और अनुभव को समाज में बांटते हैं। ऐसे संत लोगों को जीवन में सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

यूपी के कैबिनेट मंत्री ने लिया, हनुमानजी महाराज का आशीर्वाद

गौरतलब है कि यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बाहुबली नेता धर्मपाल यादव (डीपी यादव) ने बुधवार को श्री अवधूत मंडल आश्रम बाबा हीरादास हनुमान मंदिर सिंहद्वार, ज्वालापुर हरिद्वार पहुंचकर आश्रम के पीठाधीश्वर महंत महामंडलेश्वर डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज से भेंटवार्ता की। स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने शाल, माला एवं पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया। इसके पूर्व उन्होंने हनुमान जी की विशेष पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि कई संत ऐसे हैं जिन्होंने अपने जीवन को परमार्थ के लिए समर्पित किया, जैसे कि संत कबीर, गुरु नानक, संत तुकाराम और संत रविदास। महामंडलेश्वर डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज इसी कड़ी के संत हैं। श्री अवधूत मंडल आश्रम के माध्यम से जनकल्याण के कार्य करने में समर्पित है। आज आश्रम में वेद विद्यालय, चिकित्सालय, गौशाला, अन्नक्षेत्र, सहित अन्य सेवा प्रकल्प जारी है। स्वामी संतोषानंद जैसे संतों को महान माना जाता है, जो अपने त्याग, प्रेम और करुणा से समाज को एक नई दिशा देते हैं। संतों का जीवन एक प्रेरणा है, जो हमें सिखाता है कि जीवन का सच्चा अर्थ दूसरों की सेवा और मानवता की भलाई में निहित है। इस मौके पर साध्वी नेहा गौतम, आयुर्वेदाचार्य डॉ रामदास उदासीन, स्वामी पुरूषोत्तमाचार्य, स्वामी ओमप्रकाश, पं राजेन्द्र अवस्थी, विजय, प्रांजल, जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश वालिया सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

समर्थ पोर्टल पर 30 जून तक ही होंगे छात्रों के पंजीयन

हरिद्वार । शासन के निर्देश पर सत्र 2025-26 में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन 24 मई से प्रारंभ हो गए हैं। समस्त प्रवेशार्थी समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही प्रवेश के लिए अर्ह होंगे। बताया कि समर्थ पोर्टल पर 30 जून तक ही पंजीयन होगा। एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि स्नातक प्रथम सेमेस्टर (बीए, बीकॉम तथा बीएससी, पीसीएम, सीबीजेड, कम्प्यूटर साईंस) में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थी महाविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर समर्थ पोर्टल के लिंक पर निर्धारित तिथि तक अपना पंजीयन एवं आवेदन पत्र भरकर जमा करा सकते हैं। बताया कि इस वर्ष छात्र-छात्रा को प्रति सेमेस्टर सात विषयों का अध्ययन करना होगा तथा प्रत्येक सेमेस्टर में 22 क्रेडिट होंगे।

भव्य समारोह के साथ होगा, हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की यात्रा का वर्णन : धर्मेंद्र चौधरी

हरिद्वार, संवाददाता । पत्रकारों की सम्मानित संस्था प्रेस क्लब हरिद्वार के अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने कहा हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रेस क्लब हरिद्वार की ओर से भव्य एवं दिव्य कार्यक्रमों की श्रंखला का आयोजन किया जा रहा। वर्ष भर में पांच कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। हर कार्यक्रम में देशभर की नामचीन पत्रकार हस्तियां शामिल होंगी और हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली 200 वर्षों यात्रा पर विचार मंथन किया जाएगा।

बताते चलें कि सोमवार को प्रेस क्लब कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से हिंदी पत्रकारिता की 200 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को यादगार बनाने के लिए भव्य एवं दिव्य आयोजन कराने पर सहमति बन गई है। सर्वसम्मति से प्रेस क्लब के संस्थापक एवं स्थाई सदस्य सुनील दत्त पाण्डेय को मुख्य संयोजक चुना गया है। वहीं परामर्शदात्री समिति में प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष डॉ शिवशंकर जायसवाल, स्थायी सदस्य कौशल सिखौला, गोपाल रावत, एनयूजे आई उत्तराखंड हरिद्वार इकाई के जिलाध्यक्ष आदेश त्यागी, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष संजय आर्य एवं रजनीकांत शुक्ला शामिल किया गया हैं।इस मौके पर धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि उनके लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि उनके कार्यकाल में हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रेस क्लब, हरिद्वार की ओर से कार्यक्रमों की श्रंखला का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। प्रेस क्लब की ओर से वर्ष भर में पांच कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। जिसमें से अंतिम कार्यक्रम आगामी 30 मई 2026 को पत्रकारिता पर आयोजित किया जाएगा। धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि कार्यक्रम में देशभर के नामचीन पत्रकारों को आमंत्रित किया जायेगा। प्रेस क्लब, हरिद्वार के सभी 122 सदस्यों की भागीदारी से कार्यक्रम को संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोमवार को प्रेस क्लब, हरिद्वार कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति प्रस्ताव पारित हो चुका है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के इतिहास, विकास और वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालेगा। इसमें कई महत्वपूर्ण हस्तियां और पत्रकार शामिल होंगे, जो हिंदी पत्रकारिता के योगदान के बारे में बात करेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिंदी पत्रकारिता के महत्व को उजागर करना और इसके भविष्य के बारे में विचार करना है। बैठक में प्रेस क्लब हरिद्वार के अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, कार्यकारी महामंत्री हिमांशु द्विवेदी, डॉ शिव शंकर जायसवाल, आदेश त्यागी, गोपाल रावत, कौशल सिखौला, संजय आर्य, रमेश खन्ना, विकास झा, बृजेन्द्र हर्ष, अमित शर्मा, मुकेश वर्मा, डॉ प्रदीप जोशी, मनोज रावत, संदीप शर्मा, सुभाष कपिल, मयूर सैनी, बृजपाल सिंह, अमित गुप्ता, महेश पारिक , रामकुमार शर्मा, संदीप रावत, कोषाध्यक्ष काशीराम सैनी, आशु शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहें।

सतपाल महाराज ने विमान हादसे को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, घटना पर दु:ख जताया

हरिद्वार, संवाददाता । प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभ भाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के टेकऑफ के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना को अत्यंत दु:खद, चिंताजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की खबर से वह बेहद स्तब्ध और दु:खी हैं। 242 यात्रियों और क्रू मेंबर्स को लेकर लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद के मेघानी इलाके में एयरपोर्ट के पास के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार सभी लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं।

चार माह के बकाया वेतन की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान

हरिद्वार । उत्तराखंड आयुर्वेद विवि गुरुकुल परिसर में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने चार माह से वेतन नहीं मिलने पर 16 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है। परिसर निदेशक को दिए पत्र में कर्मचारियों ने लिखा है कि चार माह से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके परिवार भुखमरी की कगार पर हैं। कई कर्मचारियों को बैंक की किस्तें समय पर नहीं भर पाने के कारण डिफॉल्टर घोषित किया जा रहा है। बच्चों की फीस जमा न कर पाने से उन्हें स्कूल से निकाले जाने की नौबत आ गई हैऔर बीमार होने पर इलाज भी करवा पाना मुश्किल हो गया है।

सभासदों ने पालिकाध्यक्ष से बोर्ड बैठक बुलाने की मांग की

हरिद्वार । शिवालिक नगर के आठ सभासदों ने पालिकाध्यक्ष राजीव शर्मा को पत्र लिखकर पालिका की बैठक बुलाने की मांग की है। आरोप है कि बीती तीन मई की बैठक की कार्रवाई और 555 प्रस्तावों की सूची अधिशासी अधिकारी ने सभासदों उपलब्ध नहीं कराई है। सभासदों का आरोप है कि पालिकाध्यक्ष और ईओ मिलकर सभासदों के अधिकारों का हनन कर रहे है। सभासद गरिमा सिंह, शीतल पुंडीर, बृजलेश ने बताया कि आठ सभासदों ने बोर्ड बैठक बुलाने की मांग की है। बताया कि बोर्ड बैठक में 555 प्रस्ताव पास करने की जानकारी बैठक के बाद मिली थी। यह जानकारी सभासदों को अव्यावहारिक लगी। पत्र लिखकर ईओ से प्रस्तावों की जानकारी ली गई। लेकिन ईओ अधिकृत रूप से सही जानकारी उपलब्ध नहीं करा रहे हैं।

होटल कारोबारी को दिनदहाड़े गोली मारने वाले दो आरोपी पंजाब के फगवाड़ा से गिरफ्तार

हरिद्वार । हरिद्वार पुलिस ने खड़खड़ी में होटल कारोबारी को दिनदहाड़े गोली मारने के दो आरोपियों को पंजाब के फगवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मानव हंस और गौरव कुमार हैं जो पंजाब के ही रहने वाले हैं। बीती दो जून को दोनों आरोपियों ने अपने साथियों शम्मी खान और बॉबी के साथ मिलकर होटल कारोबारी पर जानलेवा हमला किया और फरार हो गए थे। मायापुर के एसपी सिटी कार्यालय में एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। एसएसपी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि यह हमला दो कुख्यात नंदू गैंग और मंजीत महल गैंग के बीच पुरानी रंजिश से जुड़ा है।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अवनीश कुमार, मो० 9410553400

ई-मेल: liveskgnews@gmail.com

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)

सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।